

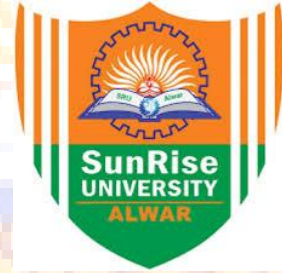
SUNRISE UNIVERSITY ALWAR

Syllabus of PG- Two Year Master of Arts in

HINDI (M.A.)

Session 2025-26

Department of HINDI



CURRICULUM STRUCTURE SESSION-2025-26

NAME OF THE PROGRAM – MASTER OF ARTS

As per NEP 2020

YEAR – 1ST

SEMESTER - 1ST

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम (PG)

हिन्दी (M.A. Hindi)

वर्ष – प्रथम

सेमेस्टर – प्रथम

Name of Programme: P G- M.A.(HINDI)										
Subject/ Discipline: HINDI										
Sr no	Subject code	Sub-type	Subject Title	CREDITS = 4			Internal Marks	External Marks	Total Marks	Minimum Passing
				L	T	P				
1	MHIN-101	MJR	हिन्दी साहित्य का इतिहास(आदिकाल एवं भक्तिकाल)	6	0	0	40	60	100	40
2	MHIN-102	MJR	प्राचीन - काव्य	6	0	0	40	60	100	40
3	MHIN-103	MJR	काव्यशास्त्र - (भारतीय)	6	0	0	40	60	100	40
4	MHIN-104	MJR	हिन्दी गद्य - I (उपन्यास एवं निबन्ध)	6	0	0	40	60	100	40
5	MHIN-105		SEMINAR	6	0	0	100		100	40
TOTAL MARKS = 500										

1. MHIN-101 (MJR)

हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल एवं भक्तिकाल)

इकाई – I (आदिकाल)

- हिन्दी साहित्य की पृष्ठभूमि एवं उद्भव
- आदिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ
- वीरगाथा काव्य की विशेषताएँ

इकाई – II

- चंदबरदाई – पृथ्वीराज रासो

- जैन एवं सिद्ध साहित्य

इकाई – III (भक्तिकाल)

- भक्तिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि
- निर्गुण एवं सगुण धारा

इकाई – IV

- कबीर
- सूरदास
- तुलसीदास
- मीरा बाई

2. MHIN-102 (MJR)

प्राचीन काव्य

इकाई – I

- रीतिकाल की पृष्ठभूमि एवं प्रवृत्तियाँ
- श्रृंगार रस की प्रधानता

इकाई – II

- केशवदास
- बिहारी

इकाई – III

- अलंकार एवं रीति परंपरा
- नायिका भेद

इकाई – IV

- रीतिकालीन काव्य की समीक्षा
- समकालीन दृष्टि से मूल्यांकन

3. MHIN-103 (MJR)



काव्यशास्त्र (भारतीय)

इकाई - I

- काव्य की परिभाषा एवं स्वरूप
- रस सिद्धांत

इकाई - II

- भरतमुनि - नाट्यशास्त्र
- आनन्दवर्धन - ध्वनि सिद्धांत

इकाई - III

- मम्मट - काव्यप्रकाश
- रीति एवं अलंकार सिद्धांत

इकाई - IV

- औचित्य एवं वक्रोक्ति सिद्धांत
- भारतीय काव्यशास्त्र का आधुनिक परिप्रेक्ष्य

4. MHIN-104 (MJR)

हिन्दी गद्य - I (उपन्यास एवं निबन्ध)

इकाई - I (उपन्यास)

- हिन्दी उपन्यास का विकास
- मुंशी प्रेमचंद

इकाई - II

- सामाजिक यथार्थवाद
- ग्रामीण जीवन का चित्रण

इकाई - III (निबंध)

- हिन्दी निबंध का विकास
- रामचन्द्र शुक्ल

इकाई – IV

- आधुनिक निबंधकार
- समकालीन गद्य प्रवृत्तियाँ

5. SEMINAR

- चयनित साहित्यिक विषय पर प्रस्तुति
- शोध-पत्र लेखन
- समूह चर्चा

REFERENCES BOOKS

वर्ष – प्रथम | सेमेस्टर – प्रथम

MHIN-101 – हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल एवं भक्तिकाल)

1. रामचन्द्र शुक्ल – हिन्दी साहित्य का इतिहास
2. हजारी प्रसाद द्विवेदी – हिन्दी साहित्य की भूमिका
3. नागेन्द्र – हिन्दी साहित्य का इतिहास
4. चंदबरदाई – पृथ्वीराज रासो
5. कबीर, सूरदास, तुलसीदास, मीरा बाई – चयनित काव्य

MHIN-102 – प्राचीन काव्य (रीतिकाल)

1. रामचन्द्र शुक्ल – रीतिकालीन साहित्य (इतिहास खंड)
2. केशवदास – रसिकप्रिया
3. बिहारी – बिहारी सतसई
4. डॉ. नगेन्द्र – रीतिकालीन काव्य की प्रवृत्तियाँ
5. आचार्य विश्वनाथ – साहित्य दर्पण (अलंकार संदर्भ)

MHIN-103 – काव्यशास्त्र (भारतीय)

1. भरतमुनि – नाट्यशास्त्र
2. आनन्दवर्धन – ध्वन्यालोक
3. मम्मट – काव्यप्रकाश
4. डॉ. भगीरथ मिश्र – भारतीय काव्यशास्त्र
5. डॉ. नगेन्द्र – भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका

MHIN-104 – हिन्दी गद्य-I (उपन्यास एवं निबंध)

1. मुंशी प्रेमचंद – गोदान, सेवासदन
2. रामचन्द्र शुक्ल – चिंतामणि
3. डॉ. रामविलास शर्मा – हिन्दी उपन्यास और यथार्थवाद
4. डॉ. नामवर सिंह – कहानी: नई कहानी

YEAR – 1ST

SEMESTER -2ND

Name of Programme: P G- M.A.(HINDI)										
Subject/ Discipline: HINDI										
Sr no	Subject code	Subj- type	Subject Title	CREDITS = 6			Intern al Marks	Externa l Marks	Total Mark s	Minim um Passin g
				L	T	P				
1	MHIN-201	MJR	हिन्दी साहित्य का इतिहास (रीतिकाल एवं आधुनिक काल)	6	0	0	40	60	100	40
2	MHIN-202	MJR	मध्यकालीन काव्य	6	0	0	40	60	100	40
3	MHIN-203	MJR	काव्यशास्त्र - 11 (पाश्चात्य)	6	0	0	40	60	100	40
4	MHIN-204	MJR	हिन्दी गद्य -11 (हिन्दी कहानी)	6	0	0	40	60	100	40
5			project	6	0	0		100	100	40

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम (PG)

हिन्दी (M.A. Hindi)

वर्ष – प्रथम

सेमेस्टर – द्वितीय

1. MHIN-201 (MJR)

हिन्दी साहित्य का इतिहास (रीतिकाल एवं आधुनिक काल)

इकाई – I (रीतिकाल)

- रीतिकाल की पृष्ठभूमि एवं प्रवृत्तियाँ
- दरबारी संस्कृति एवं श्रृंगारिक काव्य
- प्रमुख रीतिकालीन कवि एवं उनकी काव्य-विशेषताएँ

इकाई – II (भारतेन्दु युग)

- आधुनिक काल का आरंभ
- भारतेन्दु हरिश्चंद्र का योगदान
- राष्ट्रवाद एवं सामाजिक चेतना

इकाई – III (द्विवेदी युग एवं छायावाद)

- महावीर प्रसाद द्विवेदी
- छायावाद की प्रवृत्तियाँ
- जयशंकर प्रसाद
- सुमित्रानंदन पंत

इकाई – IV (प्रगतिवाद, प्रयोगवाद एवं नई कविता)

- सूर्यकांत त्रिपाठी निराला
- रामधारी सिंह दिनकर
- समकालीन साहित्यिक प्रवृत्तियाँ

2. MHIN-202 (MJR)

मध्यकालीन काव्य

इकाई - I

- भक्तिकाल की काव्य-धाराएँ
- निर्गुण एवं सगुण भक्ति

इकाई - II

- कबीर - साखी एवं सबद
- रैदास

इकाई - III

- सूरदास - *सूरसागर*
- तुलसीदास - *रामचरितमानस*

इकाई - IV

- सूफी काव्य परंपरा
- मध्यकालीन काव्य का मूल्यांकन

3. MHIN-203 (MJR)

काव्यशास्त्र - II (पाश्चात्य)

इकाई - I

- पाश्चात्य काव्यशास्त्र की पृष्ठभूमि
- Plato - काव्य संबंधी विचार
- Aristotle - *Poetics*

इकाई - II

- नवशास्त्रीय सिद्धांत
- रोमांटिक आलोचना

इकाई - III

- आधुनिक आलोचना



- T. S. Eliot – आलोचनात्मक दृष्टि

इकाई – IV

- नई आलोचना (New Criticism)
- संरचनावाद एवं उत्तर-संरचनावाद

4. MHIN-204 (MJR)

हिन्दी गद्य – II (हिन्दी कहानी)

इकाई – I

- हिन्दी कहानी का विकास
- प्रारंभिक कहानीकार

इकाई – II

- मुंशी प्रेमचंद – यथार्थवादी कहानी

इकाई – III

- नई कहानी आंदोलन
- मोहन राकेश
- राजेन्द्र यादव

इकाई – IV

- समकालीन कहानी
- स्त्री एवं दलित विमर्श

5. Project (परियोजना कार्य)

- चयनित साहित्यिक विषय पर लघु शोध
- साहित्य समीक्षा
- रिपोर्ट लेखन
- मौखिक प्रस्तुति (Viva-Voce)

REFERENCES BOOKS

वर्ष – प्रथम | सेमेस्टर – द्वितीय

MHIN-201 – हिन्दी साहित्य का इतिहास (रीतिकाल एवं आधुनिक काल)

1. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र – चयनित नाटक एवं निबंध
 2. महावीर प्रसाद द्विवेदी – संपादकीय लेख
 3. जयशंकर प्रसाद, सुमित्रानंदन पंत, सूर्यकांत त्रिपाठी निराला, रामधारी सिंह दिनकर – चयनित काव्य
 4. डॉ. नगेन्द्र – *आधुनिक हिन्दी साहित्य*
-

MHIN-202 – मध्यकालीन काव्य

1. कबीर – *साखी एवं सबद*
 2. रैदास – चयनित पद
 3. सूरदास – *सूरसागर*
 4. तुलसीदास – *रामचरितमानस*
 5. डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी – *कबीर*
-

MHIN-203 – काव्यशास्त्र-II (पाश्चात्य)

1. **Plato** – *Republic* (काव्य संबंधी विचार)
 2. **Aristotle** – *Poetics*
 3. **T. S. Eliot** – *Tradition and the Individual Talent*
 4. रेने वेल्लेक एवं ऑस्टिन वॉरेन – *Theory of Literature*
-

MHIN-204 – हिन्दी गद्य-II (कहानी)

1. मुंशी प्रेमचंद – चयनित कहानियाँ
2. मोहन राकेश – नई कहानी
3. राजेन्द्र यादव – चयनित कहानियाँ
4. डॉ. नामवर सिंह – *कहानी: नई कहानी*

YEAR – 2nd

SEMESTER -3rd

Name of Programme: P G- M.A.(HINDI)										
Subject/ Discipline: HINDI										
Sr no	Subject code	Subject type	Subject Title	CREDITS = 4			Internal Marks	External Marks	Total Marks	Minimum Passing
				L	T	P				
1	MHIN-301	MJR	हिन्दी गद्य -III (हिन्दी नाटक)	6	0	0	40	60	100	40
2	MHIN-302	MJR	निर्गुण काव्य	6	0	0	40	60	100	40
3	MHIN-303	MJR	भाषा विज्ञान	6	0	0	40	60	100	40
4	MHIN-304	MJR	रीतिकालीन काव्य	6	0	0	40	60	100	40
5	MHIN-305		Journalism and Mass communication	6	0	0		100	100	40
TOTAL MARKS = 500										

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम (PG)

हिन्दी (M.A. Hindi)

वर्ष – द्वितीय

सेमेस्टर – तृतीय

1. MHIN-301 (MJR)

हिन्दी गद्य – III (हिन्दी नाटक)

इकाई – I

- हिन्दी नाटक का उद्भव एवं विकास
- भारतेन्दु युगीन नाटक

इकाई – II

- जयशंकर प्रसाद – ऐतिहासिक नाटक
- छायावादी नाटक की विशेषताएँ

इकाई – III

- आधुनिक हिन्दी नाटक
- मोहन राकेश – यथार्थवादी नाटक

इकाई – IV

- समकालीन हिन्दी नाटक
- रंगमंच एवं नाट्यशिल्प

2. MHIN-302 (MJR)

निर्गुण काव्य

इकाई – I

- निर्गुण भक्ति की पृष्ठभूमि
- संत परंपरा एवं सिद्धांत

इकाई – II

- कबीर – साखी एवं सबद
- रैदास

इकाई – III



- दादू दयाल
- गुरु-शिष्य परंपरा

इकाई – IV

- निर्गुण काव्य की भाषा एवं शैली
- समकालीन संदर्भ में मूल्यांकन

3. MHIN-303 (MJR)

भाषा विज्ञान

इकाई – I

- भाषा की प्रकृति एवं स्वरूप
- भाषा की उत्पत्ति संबंधी सिद्धांत

इकाई – II

- ध्वनिविज्ञान एवं ध्वन्यात्मकता
- रूपविज्ञान (Morphology)

इकाई – III

- वाक्यविन्यास (Syntax)
- अर्थविज्ञान (Semantics)

इकाई – IV

- समाजभाषाविज्ञान
- हिंदी भाषा का विकास एवं बोलियाँ

4. MHIN-304 (MJR)

रीतिकालीन काव्य

इकाई – I

- रीतिकाल की पृष्ठभूमि
- रीति एवं अलंकार परंपरा



इकाई - II

- केशवदास
- बिहारी

इकाई - III

- शृंगार रस की प्रधानता
- नायिका भेद

इकाई - IV

- रीतिकालीन काव्य का मूल्यांकन
- आधुनिक दृष्टि से समीक्षा

5. Journalism and Mass Communication

पत्रकारिता एवं जनसंचार

इकाई - I

- पत्रकारिता का इतिहास एवं विकास
- समाचार लेखन

इकाई - II

- प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया
- डिजिटल मीडिया

इकाई - III

- संपादन कला
- जनसंपर्क एवं विज्ञापन

इकाई - IV

- मीडिया नैतिकता एवं कानून
- मीडिया एवं समाज
-



REFERENCES BOOKS

वर्ष – द्वितीय | सेमेस्टर – तृतीय

MHIN-301 – हिन्दी नाटक

1. जयशंकर प्रसाद – स्कंदगुप्त, चंद्रगुप्त
 2. मोहन राकेश – आषाढ का एक दिन
 3. डॉ. लक्ष्मीनारायण लाल – हिन्दी नाटक का इतिहास
-

MHIN-302 – निर्गुण काव्य

1. कबीर – बीजक
 2. रैदास – पदावली
 3. दादू दयाल – चयनित वाणी
 4. हजारी प्रसाद द्विवेदी – कबीर
-

MHIN-303 – भाषा विज्ञान

1. डॉ. भोलानाथ तिवारी – भाषा विज्ञान
 2. डॉ. हरदेव बाहरी – हिन्दी भाषा का विकास
 3. **Ferdinand de Saussure** – *Course in General Linguistics*
 4. **Noam Chomsky** – *Aspects of the Theory of Syntax*
-

MHIN-304 – रीतिकालीन काव्य

1. केशवदास – रसिकप्रिया
 2. बिहारी – सतसई
 3. डॉ. नगेन्द्र – रीतिकालीन काव्य
-

Journalism & Mass Communication

1. डॉ. केवल जे. कुमार – *Mass Communication in India*
2. बी. एन. आहूजा – *पत्रकारिता सिद्धांत एवं व्यवहार*
3. **Press Council of India** – मीडिया नैतिकता दिशा-निर्देश

YEAR – 2nd

SEMESTER -4th

Name of Programme: P G- M.A.(HINDI)										
Subject/ Discipline: HINDI										
Sr no	Subject code	Subj-type	Subject Title	CREDITS = 4			Internal Marks	External Marks	Total Marks	Minimum Passing
				L	T	P				
1	MHIN-401	MJR	आलोचना एवं आलोचक	6	0	0	40	60	100	40
2	MHIN-402	MJR	आधुनिक काव्य -	6	0	0	40	60	100	40
3	MHIN-403	MJR	भाषा विज्ञान- II	6	0	0	40	60	100	40
4	MHIN-404	MJR	आधुनिक काव्य - II	6	0	0	40	60	100	40
5	MHIN-405		Research Ethics	6	0	0		100	100	40
TOTAL MARKS = 500										

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम (PG)

हिन्दी (M.A. Hindi)

वर्ष – द्वितीय

सेमेस्टर – चतुर्थ

1. MHIN-401 (MJR)

आलोचना एवं आलोचक

इकाई – I

- हिन्दी आलोचना का विकास
- आलोचना की परिभाषा एवं स्वरूप

इकाई – II

- रामचन्द्र शुक्ल – ऐतिहासिक आलोचना
- हजारी प्रसाद द्विवेदी – सांस्कृतिक दृष्टि

इकाई – III

- नामवर सिंह – मार्क्सवादी एवं आधुनिक दृष्टि
- नगेन्द्र – साहित्यिक आलोचना

इकाई – IV

- नई आलोचना एवं उत्तर-आधुनिक आलोचना
- समकालीन आलोचना प्रवृत्तियाँ

2. MHIN-402 (MJR)

आधुनिक काव्य – I

इकाई – I

- छायावाद की प्रवृत्तियाँ
- जयशंकर प्रसाद
- सुमित्रानंदन पंत

इकाई – II

- महादेवी वर्मा
- सूर्यकांत त्रिपाठी निराला

इकाई – III

- प्रगतिवाद एवं प्रयोगवाद
- रामधारी सिंह दिनकर

इकाई – IV

- नई कविता
- समकालीन काव्य प्रवृत्तियाँ

3. MHIN-403 (MJR)

भाषा विज्ञान – II

इकाई – I

- संरचनात्मक भाषाविज्ञान
- Ferdinand de Saussure का सिद्धांत

इकाई – II

- रूपांतरण व्याकरण (Transformational Grammar)
- Noam Chomsky का योगदान

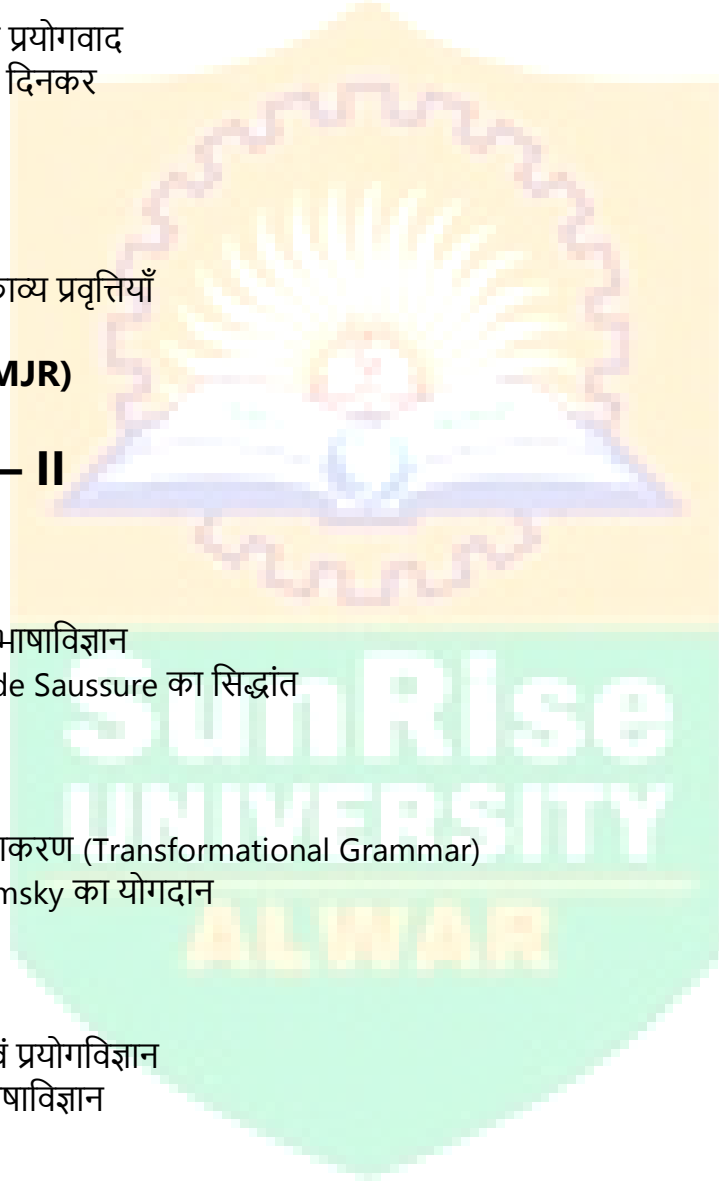
इकाई – III

- अर्थविज्ञान एवं प्रयोगविज्ञान
- अनुप्रयुक्त भाषाविज्ञान

इकाई – IV

- हिंदी भाषा की समकालीन समस्याएँ
- भाषा एवं समाज

4. MHIN-404 (MJR)



आधुनिक काव्य - II

इकाई - I

- नई कविता के कवि
- अज्ञेय

इकाई - II

- धर्मवीर भारती
- समकालीन काव्य विमर्श

इकाई - III

- दलित काव्य
- स्त्रीवादी काव्य

इकाई - IV

- उत्तर-आधुनिक काव्य प्रवृत्तियाँ
- समकालीन आलोचनात्मक दृष्टि

5. Research Ethics (अनुसंधान नैतिकता)

इकाई - I

- अनुसंधान की नैतिक अवधारणा
- शैक्षणिक ईमानदारी

इकाई - II

- प्लेगरिज़्म (Plagiarism) एवं उससे बचाव
- संदर्भ लेखन पद्धति (APA/MLA)

इकाई - III

- शोध में डेटा संग्रह एवं प्रस्तुति की नैतिकता
- कॉपीराइट एवं बौद्धिक संपदा अधिकार

इकाई - IV



- शोध प्रबंध लेखन के मानक
- विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) के दिशा-निर्देश – University Grants Commission

REFERENCES BOOKS

MHIN-401 – आलोचना एवं आलोचक

1. रामचन्द्र शुक्ल – चिंतामणि
2. हजारी प्रसाद द्विवेदी – साहित्य की भूमिका
3. नामवर सिंह – कविता के नए प्रतिमान
4. डॉ. नगेन्द्र – हिन्दी आलोचना

MHIN-402 एवं 404 – आधुनिक काव्य

1. जयशंकर प्रसाद, महादेवी वर्मा, सूर्यकांत त्रिपाठी निराला, रामधारी सिंह दिनकर – चयनित काव्य
2. अज्ञेय – तारसप्तक
3. धर्मवीर भारती – चयनित काव्य

MHIN-403 – भाषा विज्ञान-II

1. **Ferdinand de Saussure** – *Course in General Linguistics*
2. **Noam Chomsky** – *Transformational Grammar* संबंधी ग्रंथ
3. डॉ. भोलानाथ तिवारी – *संरचनात्मक भाषाविज्ञान*

Research Ethics (अनुसंधान नैतिकता)

1. **University Grants Commission** – UGC (Research & Plagiarism) Regulations
2. एम.एल.ए. हैंडबुक – *MLA Handbook*
3. *APA Publication Manual*

